



धनगढीमे गुरहीके मुर्ति स्थापना

प्रदेश सभामे महिलाके भूमिका बहैना आवश्यक



कैलालीके धनगढी उपमहानगरपालिका-८ गुरही चोकमे शनिचरके रोज स्थापना कैगिल गुरहीके मुर्ति

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १४ असार । कैलालीके धनगढी उपमहानगरपालिका-८ क्याम्परोडके गुरही चोकमे शनिचरके रोज गुरहीके मुर्ति स्थापना कैगिल बा ।
थारु कल्याणकारिणी सभा, थारु

लेखक संघ, सखी सञ्जालके अगुवाई तथा धनगढी उपमहानगरपालिकाके नगर उपप्रमुख कन्दकला रानाके विशेष उपस्थितिमे गुरही चोकमे गुरहीके मुर्ति ठरहयागिल हो ।
धनगढीके क्याम्पस रोडस्थित गुरही

चोकमे थारु समुदायके विगत २०६६ सालसे सामुहिक रूपमे भव्यताके साथ गुरही टिहुवार मनेटी आइल बटै ।
गुरही चोकमे अब्बे मुर्ति ठरहयागिल ओ ओकर विधिवत अनावरण गुरही अस्नैना दिन कैना थारु कल्याणकारिणी

सभा कैलालीके पूर्व जिल्ला उपसभापति माधव थारु बटैलै ।

उहाँ कहलै, 'अब्बे गुरहीके मुर्ति स्थापना कैगिल बा । अभिन फिनिसिड रंगरोगन ओ घेरबार कैना बा । ओकर काम हुके सेवके गुरही अस्नैना दिन ओकर अनावरण हुई ।'

मुर्ति ठरहयइना कार्यक्रममे प्रमुख अतिथि नगर उपप्रमुख कन्दकला राना गुरही थारु समुदायके पहिचान जोरल बटैठी ।

ओस्टेक थारु कल्याणकारिणी सभाके पूर्व केन्द्रिय सदस्य प्रभातकुमार चौधरी, धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नम्बर १८ के वडा अध्यक्ष भुवन रिजाल, थारु कल्याणकारिणी सभाके धनगढी नगरसभापति सूर्य प्रसाद चौधरी, सखी सञ्जालके कार्यवाहक संयोजक उन्नती चौधरी गुरही चोकमे विगत २०६६ सालसे सामुहिक रूपमे मनेटी आइल टिहुवारहे संस्थागत कैटी पहिचान स्थापित कार्य महत्वपूर्ण रहल बटैलै । गुरहीके मुर्ति ठरहयइना कार्यक्रममे थारु कल्याणकारिणीसभा, थारु लेखक संघ, सखी सञ्जालके प्रतिनिधि, थारु बुद्धिजीवीहुकनके सहभागिता रहे ।

असौक साल गुरही टिहुवार साउन १३ गते परल बा ।



धनगढी, १४ असार । सुदूरपश्चिम प्रदेश सभाके महिला सदस्य प्रदेश सभामे अपन भूमिका थप प्रभावकारी बनाके लैजैना बटैले बटै । संविधान निर्माण हुइनासे आगे ओ अब्बे अवस्थामे फरक बा ।

आब प्रदेश सभा वा अन्य ठाउँ महिला सदस्य अपन भूमिका प्रभावकारी बनाके आघे बहाइपरनामे उहाँ जोड डेलै । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे १८ जाने महिला प्रदेश सभा सदस्य रटै । सब जाने समानुपातिकसे आइल बटै । सरकारमे दुई जाने महिला राज्यमन्त्री बटै कलेसे एक जाने उपसभामुख बटै ।

प्रदेश सभा सदस्य तथा पूर्वमन्त्री लक्ष्मी विक महिला सदस्यके निर्णय प्रक्रिया ओ संसदीय गतिविधिमे महत्वपूर्ण सहभागी हुइना हुइल ओरसे ओम्ने चुके नैपरना उल्लेख करलै । संयुक्त राष्ट्र संघके संसद् सहयोग परियोजनाके सहयोगमे शुक्रके रोज फाया नेपालसे आयोजना करल सुदूरपश्चिम प्रदेश सभामे रहल महिला तथा सीमान्तकृत समुदायसे प्रतिनिधित्व करना महिला सदस्यके क्षमता अभिवृद्धि तालिममे उहाँ उ बाट बटैलै ।

प्रदेश सभा सदस्य सन्तोष थापा शर्मा कबुकाल छोट कमजोरी ओ प्रस्तुतिमे महिला सदस्य चुकल उल्लेख करटि शून्य समय, विशेष समयका विषय ओ शैलीहे अधिकतम प्रयोग ओ सुधार करेपरना बटैलै । उहाँ महिलाके सवालमे समान धारण बनाके सब महिला प्रदेश सभा सदस्य एक ठाउँमे आइपरनामे जोड डेलै । संसदे महिलाके संख्या उल्लेख्य रलेसे फेन प्रस्तुतिके दृष्टिसे उपस्थिति कमजोर रहना करल टिप्पणी हुइना करल बटैटि उहाँ प्रदेश सभामे बोल्ल अधिकांश महिला सदस्य अपन क्षेत्रके विकासनिर्माणके विषयसे समसामयिक राजनीतिक तथा (बाँकी २ पेजमे)

कैलालीमे नक्षत्र वाटिका



पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १४ असार । कैलालीमे नक्षत्र वाटिका निर्माण करल बा । जिल्लाके गौरीगंगा नगरपालिका-१, चौमालामे रहल मोहन्याल मन्दिर परिसरमे प्रदेशके पहिलचो नक्षत्र वाटिका निर्माण करल बा ।

मन्दिर उपभोक्ता समितिमार्फत सुदूरपश्चिम प्रदेश उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालयके पर्यटन विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन एकाइ अन्तर्गत २७ लाख लागतमे वाटिका निर्माण करल निर्माण समितिके सदस्य प्रकाश गुरुङ बटैलै ।

पूर्वीय दर्शनअनुसार, गृह, नक्षत्रके सन्तुलन बिस्वासे हुइना होके १२ राशि, नौ ग्रह ओ २७ नक्षत्रहे आधार मानके वाज्जटिकामे अमला, जामुन, समी, पीपल, वर, बेल, नीम, खयर, कुश, दुबो, गुल्जर, कटहर कैके ४० प्रजातिके बिरुवा लगाइल सुदूरपश्चिम प्रदेश पर्यटन कार्यक्रम कार्यान्वयन एकाइके प्रमुख डबलबहादुर बोहोरा बटैलै ।

बोहोराके अनुसार २७ नक्षत्रअनुसार २७ वनस्पति, ज्योतिषीय महत्व, आयुर्वेदिक उपयोग, पर्यावरणीय लाभ, धार्मिक ओ सांस्कृतिक पक्ष, शैक्षिक महत्व, वास्तुमा धर्म, जैविक विविधता संरक्षण करना उद्देश्य नक्षत्र वाटिका निर्माण करल हो । वाटिकामे नक्षत्र ओ राशिसँग सम्बन्धित बहुगुणी बिरुवा एक ठाउँमे लगाइल बा ।

बाढी र पहिरोबाट जोगिऔ

बाढी र पहिरोबाट हुने जोखिमबाट सतर्क बनौ:

- सञ्चार माध्यमबाट मौसमको जानकारी प्राप्त गर्ने गरौं,
- बाढी वा पहिरोको उच्च जोखिम भएको क्षेत्रमा होसियारी अपनाऔं,
- आपतकालीन भोला (औषधि, टर्चलाइट, खानेकुरा र लुगाफाटा) तयार राखौं,
- बालबालिका, वृद्धवृद्धा र अपांगता भएका व्यक्तिहरूलाई विशेष ध्यान दिऔं,
- बाढी पहिरो आएमा सुरक्षित स्थानतर्फ जाऔं,
- विजुलीका लाइन वा पोलबाट टाढा बसौं,
- बाढीको समयमा खोलानाला पार गर्दा सतर्कता अपनाऔं,
- अफवाह नफैलाऔं, सत्य सूचना मात्र आदान-प्रदान गरौं,
- घाइते वा जोखिममा परेका व्यक्तिको उद्धारमा सहयोग गरौं ।



टीकापुर नगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय
टीकापुर, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराइड विभाग

उपचार हुने रोगहरु

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराइड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुस्को, पेट दुस्को समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुस्को तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ☎ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२९२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दहित (९८४८४९४५१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुँचा सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

कागज़ी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८२६४१६०१)

हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

मुलुकभर पन्द्र प्रतिशत धान लगल



काठमाडौँ, १४ असार । मुलुकभर १५ प्रतिशत क्षेत्रफलमे धान रोपाईँ सम्पन्न हुइल बा । बाली विकास निर्देशनालयके अनुसार शुक्रसम १५.६ प्रतिशत अर्थात् दुई लाख १७ हजार २८९ हेक्टर क्षेत्रफलमे धान रोपाईँ सम्पन्न हुइल बा । गैल वर्ष उ अवधिमे १७.२ प्रतिशत रोपाईँ सम्पन्न हुइल रहे । गैल आवके तुलनामे यी वर्ष असारके दुई साता बिट्लेसे फेन रोपाईँ भर ढिला हुइल तथ्यांक देखाइठ । निर्देशनालयके अनुसार शुक्रसम सबसे धेर सुदूरपश्चिम प्रदेशमे ४५.५ प्रतिशत, कर्णाली प्रदेशमे ३९.१ प्रतिशत, बागमती प्रदेशमे २० प्रतिशत ओ कोशी प्रदेशमे १४.३ प्रतिशत रोपाईँ हुइल बा । अस्टेक गण्डकी प्रदेशमे १३.८ प्रतिशत, लुम्बिनी ९.७ प्रतिशत ओ सबसे कम मधेश प्रदेशमे ३.९ प्रतिशत रोपाईँ हुइल बा । यी वर्ष समयमे वर्षा सुरु हुइलेसे फेन पहाडके तुलनामे तराईके जिल्लामे ढिला धान रोपाईँ हुइल ओरसे धान रोपाईँमे कम प्रतिशत देखाइल हो । मुलुकभर १३ लाख ९१ हजार ३२१ हेक्टर क्षेत्रफलमे धान लगैना अनुमान बा ।

प्रदेश सभामे...

सामाजिक विषय समोटके बोलेपरना प्रशिक्षक इन्द्रराज भट्टराई बटैलैं । प्रदेश सभामे पुरुष प्रदेश सभा सदस्यके वर्चस्व रहना करल गुनासो करटि यहाँक प्रदेश सभामे दलके ओरसे फेन कुछ महिला प्रदेश सभा सदस्य बोल करल प्रदेश सभा सदस्य जुना दानी बटैलैं । उहाँ बजेट वितरणसे कार्यान्वयनके पाटोमे महिला प्रदेश सभा सदस्य गम्भीरताके साथ ध्यान डेहेपरना बटैलैं । अस्टेक, औरै प्रदेश सभा सदस्य जानकी ऐर बम महिला सदस्य दलीय मान्यतासँग अपन क्षेत्रके सरोकार ओ जनजीविकाके विषयमे केन्द्रित हुइना करल बटैलैं । उहाँक विचारमे महिलाके बोल शैली ओ विषयवस्तुके गहनतामे थप प्रभावकारिताके लाग मेहनत करेपरनामे खाँचो देखाइल बटैलैं । यद्यपि निरन्तर सक्रियतासे पहिलेक तुलनामे थप परिपक्वता हासिल हुइल अनुभव उहाँ सुनैलैं । दलीय मान्यता ढरना औपचारिक सन्दर्भबाहेक अन्य विषयमे बोल क्रममे भर प्रायः महिला सदस्य प्रदेशके विकासनिर्माणके साथे सामाजिक विषयहे प्राथमिकता देना करल बटैलैं । उहाँके चासके विषयमे सामाजिक विषय फेन ओत्रे परना करठ । महिला सशक्तीकरणके विषयमे फेन अधिकांश महिला सदस्य टमान कोणासे विषय उठैना करल बा । कार्यक्रमके सहभागी सुदूरपश्चिमके महिला सदस्य नेतृत्वके माध्यमसे प्रदेशके समस्यामे समाधान खोजेक लाग काम करल ओ यिहिनहे और प्रभावकारी बनैना समावेशी नीति ओ कार्यक्रमके आवश्यकता रहल बटैले रहैं ।

दश चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनैके

सीप सिक्की, स्वरोजगार बनी विद्यार्थी ओ गुणमे अउईयाहुकनहे विशेष छुटसहित... हमार यहाँ दश प्रशिक्षकहुकनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकाए विद्यार्थीहुकनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४१०२३७ मो ९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपननेके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्ति, अपन मनक बाट ढेरसे देन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । -सम्पादक

नेपालमे लम्मा समयसम थारु समुदायके महिलाउप्पर थोपल श्रम शोषणके एक गम्भीर रूप रहे- कमलरी प्रथा । २०७० असार १३ गते सरकार कमलरी प्रथाहे औपचारिक रूपमे अन्त्यके घोषणा करल १२ वर्ष बिट्लेसे फेन मुक्त कमलरीहुकनके अवस्था सन्तोषजनक नैहो । कानुनी रूपमे स्वतन्त्र रलेसे फेन उहाँहुकनके सामाजिक, आर्थिक ओ शैक्षिक पुनर्स्थापनाके सवाल अभिन गम्भीर बा । नेपालमे दास प्रथा विगतमे सामाजिक ओ राजनीतिक संरचनाके एक क्रूर यथार्थ रहे । यिहिनहे विशेषतः थारु समुदायमे ‘कमैया-कमलरी’ प्रथाके रूपमे विकसित हुइल पाजाइठ ।

कमैया-कमलरी प्रथा नेपालके पश्चिम तराईके जिल्ला दाङ, बाँके, बर्दिया, कैलाली ओ कञ्चनपुरमे थारु समुदायउप्पर दसौँ वर्षसे लादल श्रम शोषणके प्रतिनिधि उदाहरण हो । पुरुषहुकनहे ‘कमैया’ ओ महिलाहुके (विशेष कैके किशोरी) हे ‘कमलरी’ बनाके जमिन्दारके घरमे न्यून पारिश्रमिकमे श्रम कराजाए । कमैया-कमलरी प्रथाके जर विशेषतः जातीय विभेद, गरिबी, शिक्षा ओ कानुनी पहुँचके अभावमे रहे । भूमि सुधारके नीति लागु हुइलपाछे जमिन्दार ओ रैती दुनुके संख्या बहल । जमिन्दारसे जग्गा जोत्न कामदार चाहना हुइलपाछे थारु जमिन्दारके घरमे बैठे लागल । उहाँहुकनहे ‘कमासु’ वा ‘कमैया’ कहे लागिल ।

कमैया पुरुष रलेसे फेन पाछे जमिन्दार उहाँहुकनके गोसिनया ओ छाइहे फेन काममे लगाइ लागल । छाइहे जग्गा उपभोगके सतमे काममे पठैना चलन चलल । यिहे सतसे कमलरी प्रथाके विकास हुइल । ढेर जैसिन परिवार जग्गा पाइक लाग छाइहे काममे पठैना बाध्य हुइल । थारु समुदायमे काम करना पुरुषहे कमैया, महिलाहे कमलरी, श्रीमतीहे बुकरही ओ घरबाहिरके काम करना लवण्डाहे बरडेवा, छेगारहुवा, ह्रुवा आदि कना करजाए । कमैया वर्षमे दुई चरणमे वर्षातपाछे ‘बिघा’ ओ हिउँदपाछे ‘मस्यौरा’ कना मेरिक धान, मकै, मसरी आदि अन्नपात पारिश्रमिक स्वरूप पाई । कम आय रहल ओरसे उहाँहुके अपन छावाछाइहे फेन मालिकके घरमे काममे लगैना बाध्य हुइलैं । समयक्रममे जग्गा अधियामे पैना छाइ डेहेपरना चलन सामाजिक ‘संस्कार’ सरह बने लागल । माघी पर्वमे कमैया-कमलरीके ‘नवीकरण’ करजाए । यी अवधिमे जमिन्दार गाउँ पेला ओ छाइ पठैना बारे मोलमोलाई होए । सहरके धनाढ्य परिवार फेन घरेलु कामदारके रूपमे कमलरी खोज पश्चिम नेपाल पुगै । अइसिके कमलरी प्रथा सामाजिक रूपमे फैलल । कमलरी बालिकाहे मालिकके घरमे घरेलु काम, खाना पकैना, बच्चा हेरना, सफाइ करना काम कराजाए । फलस्वरूप टमान बालिका यौन शोषण, बाल हिंसा ओ बेपत्ता हुइना समस्याके सिकार हुइलैं । शिक्षासे वञ्चित हुइलैं, डाइबाबा ओ परिवारसे दुर हुइलैं । आत्मनिर्भर बन्ना आधार नैरहल यिहे बालिकाके पक्षमे

सकल नैहो । नीति, कानुन ओ योजना टे बनल बा मने उ कार्यान्वयनके स्तर कमजोर देखाइठ । कमैया तथा कमलरी प्रथासे मुक्त हुइल व्यक्तिहुकनके सामाजिक तथा आर्थिक अवस्था आज फेन चुनौतीपूर्ण बा । उहाँहुकनके अधिकांश बसोबास अभिन फेन दुर्गम, अविकसित तथा जोखिमयुक्त क्षेत्रमे रहल पाजाइठ, यिहिनसे उहाँहुकनके आर्थिक वृद्धि ओ सामाजिक उत्थानमे अवरोध पुगाइल बा । नेपालके संविधानसे सामाजिक न्याय ओ समावेशीकरणके सिद्धान्तमे आधारित होके मुक्त कमैया, कमलरीलागायत पिछरल समुदायके पुनर्स्थापनाके लाग कृषियोग्य जमिन, बसोबासके लाग घरघडेरि, रोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य ओ सीप विकासके कार्यक्रम सञ्चालन करना व्यवस्था करलेसे फेन अइसिन कार्यक्रम घोषणामे किल सीमित रहल बा ।

जरूरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बौदलर मूर्तिनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहवी ।

नोट : भोजविहा, ब्रतवन्धके लाग होम उतिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी केभी मासु पसल

बेयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शाद उर्मावि लगे मो. ९८११६३५६८०

एक्जुलेन्स नवंबर १९९३६८९६१७, १९९३६८९७०९८, १९९४६८०८०५६, १९९४६८०००६८, १९९४६८०२८५ प्रहरी

अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२९३०१ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९१५०,१०० वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९२९९,११०

ईप्रका अतरीया ०९१-५४०१२२ त्रिनागर प्रहरी चौकी ०९१-५२९१८३ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९१५३ ईप्रका मसुरिया ०९१-५०२०१४ ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५०९ ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९ ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९ ईप्रका सुखड ०९१-५२९१६६ ईप्रका मालाखेती ०९१-५४०१२२ ईप्रका फल्गु ०९१-६९०३३० ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१५४ ईप्रका पाण्डौन ९०४९०१५९०४ सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६ ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९ स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८ बैक

नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२९३२२ नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३ कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५ मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८ बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६ बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०

नेपाल बलादेश बैक ०९१-५२९०८५ सिटिजन बैक ०९१-५२७८८५ कुमारी बैक ०९१-५२६०३८ सनराईज बैक ०९१-५२८८५० नेपाल इन्वेस्टमेन्ट बैक०९१-५२३७०६ एनएमडी बैक लि.०९१-५२९२९६ सरकारी कार्यालय जिल्ला प्रशासन .०९१-५२९१०१ जिल्ला विकास .०९१-५३२५६० नगरपालीका .०९१-५२९४२९ मालपोत.०९१-५२९२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२ कृषि विकास .०९१-५२३२५५, भूमि सुधार.०९१-५२९२२४ जिल्ला हुलाक.०९१-५२९५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल सेती अञ्चल.०९१-५२९२७१ नवजिवन ०९१- ५२९२३३/५२९७३३ विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३६३५ पदमा धनगढी ०९१-५३५०३५ सेवा मेडिकल होम अतरीया ०९१-५४०७१७ एक्जुलेन्स मसुरिया ९०४९०१८०८१ घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४००० टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०

दमकल १०१ नेपाल रेडक्रस सोसाइटी ०९१-५२९३३३ कैलाली उ.वा.संघ ५२९२३०, ५२३९७१ एम्बुलेन्स : ५२९६०० सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४५५७५४० विद्युत : ५२९१५४ दिनेश मेटल ०९१-५२९३९२ होटल डिजेली ०९१-५२३९९८/५२५९३१ जगदम्बा०९१-५२३५००, बिद्या०९१-५२३२७३ तरुण ०९१-५२६६९३, सनलाईट०९१-५२९५३६ वल्ल लिंक धनगढी :५२०१५१ नाल्पाजो०९१-५२२८३०/५२७९१० नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७९२२ शैक्षिक संस्था कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२९२२३ सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३९१२ ऐडवर्ष बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२९०७१ राजनैतिक पार्टी नेपाल काँग्रेस कार्यालय : ५२७९१४ नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२९०१० सनपार्क काण्टेर धनगढी : ०९१-५२९२५२ एफ.एम दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६०७१

७६९ बा । उमध्ये आधासे कम किल परिचयपत्र पैले बटैं । परिचयपत्र नैपाइल करिब सात हजारसे ढेर मुक्त कमलरी अभिन राज्यके पहुँचसे बाहिर बटैं । लालपुर्जा रलेसे फेन असुरक्षित मुक्त कमैयाहे पाँच कठा जमिन देना वाचा करल रहे मने अधिकांशहे १०/१६ धुर किल प्रदान करल बा । उ फेन बाढ, कटान वा खोलाके बगर, ऐलानी, सामुदायिक वनके जोखिमयुक्त स्थानमे । कुछ बस्ती वन विभाग, नगरविकास समितिके क्षेत्र वा निजी जग्गामे रहल बा, यिहिनसे दिगो बसोबासमे बाधा पुगैले बा । टमानहे लालपुर्जा टे डेहल मने भोगचलन करे सेवना स्थिति नैहो । सेस्ता

कमैया तथा कमलरी प्रथाके अन्त्यसे शोषण विरुद्धके संकर्ममे एक अध्याय बन्द करल मने पुनर्स्थापनाके अधुरा यात्रा, सिपके अभाव, रोजगारीके संकट ओ शिक्षा-स्वास्थ्यमे पहुँच नैहोके उहाँहुकनहे और गरिबीके चक्रमे बाँधके ढरले बा । मुक्त कमैया-कमलरी जमिनके कानुनी स्वामित्व, उच्च शिक्षाके पहुँच, औषधी नैपाइल जैसिन समस्याके बिच अपन ओ अपन परिवारहे आगे बहैले बा । दासके जीवनसे स्वतन्त्र होके खुला आकाशमे रमैना कोसिस करल बा । सकारात्मक पक्ष का बा कलेसे कुछ मुक्त कमैयाके छावाछाइ सरकारी सेवा, शिक्षक ओ सुरक्षाकर्मी बने लागल बटैं । यी परिवर्तनके सम्भावनाके संकेत हो । राज्य, स्थानीय तह, नागरिक समाज ओ समुदाय स्वयम्के साभ्ना प्रयाससे किल मुक्त कमैया तथा कमलरीके जीवनस्तरमे सार्थक परिवर्तन नाने सेक्जाइ, जहाँ ओइनके केवल कानुनी रूपमे नैहोके, व्यावहारिक रूपमे फेन स्वतन्त्र, सम्मानित ओ आत्मनिर्भर नागरिकके रूपमे बाँचे सेकैं ।

कायम नैरहल ओरसे विकासके कार्यक्रम, ऋण वा सरकारी सुविधा पाइ सेवना अवस्था नैहो । जीविकोपार्जन करना मजदुरीके चक्र ज्यालादारी मजदुरी, मिस्त्रीके काम, घरेलु काम वा भारत सिजनल श्रम करे जाइपरना बाध्यता मुक्त कमैया-कमलरी समुदायके आमपरिस्थिति हो । कृषिमे आधारित मुक्त कमैया परिवार सिँचाइ सुविधा नैरहल जमिनमे खेती करटि आइल बा मने पर्याप्त उत्पादन नैरहल ओरसे परनिर्भरता बहल बा । सामूहिक रूपमे कृषि खेतीमे संलग्न मुक्त कमैया तथा कमलरी समूहे बिउबिजन, मल, उपकरणलागायतके सामग्रीमे अनुदान प्रदान करटि आइल बा । जीवनस्तर सुधार करेक लाग कुखुरा, बाखा, सुँगुर पालनके लाग अनुदान तथा सघन पशुपालन कार्यक्रम सञ्चालन करल बा । कृषि कार्यमे सहजीकरणके लाग बिउबिजनसँग टिपलर, सिँचाइ यन्त्र, हाते ट्र्याक्टर जैसिन आधुनिक कृषि उपकरण वितरण करल बा । प्रदेश सरकार तथा संस्थासे सिप विकास तालिम, सहकारी संस्था ओ कृषि अनुदानमार्फत प्रयास हुइलेसे फेन संख्यात्मक रूपमे पुगना नैहो । अवसर कम चुनौती ढेर मुक्त कमलरी विकास मञ्चके अनुसार हालसम एक हजार २७४ जाने मुक्त कमलरी विद्यालय वा विश्वविद्यालय

विचार कृष्ण चौधरी

तहमे अध्ययनरत बटैं मने छात्रावास, छात्रवृत्ति, पोसाक ओ किताब जैसिन आधारभूत सुविधा पर्याप्त नैहो । मुक्त कमलरी शिक्षा निर्देशिका, २०६८ बमोजिम विद्यालय तथा उच्च शिक्षाके लाग छात्रवृत्ति उपलब्ध कराइल बा । सरकारीसे माध्यमिक तहसमके निःशुल्क शिक्षा व्यवस्था करलेसे फेन विद्यालयसे टमान बहानामे शुल्क उठैना प्रवृत्तिसे मुक्त कमैया बालबालिकाहे निरन्तर शिक्षासे वञ्चित बनाइल बा । कुछ बालबालिका स्कूल भर्ना हुइलेसे फेन बिचमे मजदुरीमे जैना बाध्य बटैं । स्वास्थ्य सेवामे फेन ओस्टे समस्या बा । यी समस्याके बाबजूद फेन कुछ मुक्त कमलरी सरकारी सेवामे प्रवेश करले बटैं । कोइ वकिल बनल बा कलेसे कोइ निजामती सेवाओर प्रवेश करल बा । छोट कुखुरा फार्म चलैनासे लेके अन्तर्राष्ट्रिय अवार्डसमेत पासेकल बटैं । सिप विकास ओ सहकारी कमलरी प्रथासे मुक्त महिलाके आर्थिक सशक्तीकरणके लाग टमान संस्था सिलाइ कटाइ, अचार बनैना, कम्प्युटर, कृषि, पशुपालन तालिम सञ्चालन करले बा । पाँच जिल्लामे किल एक हजार ४२४ जाने महिला छोट अवधि ओ ५७० जाने दीर्घकालीन तालिम लेले बटैं । हाल मुक्त कमलरी विकास मञ्चलागायतके संस्थासे प्रदेश सरकारसँग मिलके सिलाइ, अचार बनैना, ढकिया बिस्ना तालिमलागायतके कार्यक्रम सञ्चालन करले बा । ४२ ठो सहकारी मुक्त कमलरीके नेतृत्वमे सञ्चालनमे बा, यिहिनसे आर्थिक सशक्तीकरणके संकेत करठ । यद्यपि यी प्रयास अभिन संस्थागत तहमे पुन बाँकी देखाइठ ।

निष्कर्ष कमैया तथा कमलरी प्रथाके अन्त्यसे शोषण विरुद्धके संकर्ममे एक अध्याय बन्द करल मने पुनर्स्थापनाके अधुरा यात्रा, सिपके अभाव, रोजगारीके संकट ओ शिक्षा-स्वास्थ्यमे पहुँच नैहोके उहाँहुकनहे और गरिबीके चक्रमे बाँधके ढरले बा । मुक्त कमैया-कमलरी जमिनके कानुनी स्वामित्व, उच्च शिक्षाके पहुँच, औषधी नैपाइल जैसिन समस्याके बिच अपन ओ अपन परिवारहे आगे बहैले बा । दासके जीवनसे स्वतन्त्र होके खुला आकाशमे रमैना कोसिस करल बा । सकारात्मक पक्ष का बा कलेसे कुछ मुक्त कमैयाके छावाछाइ सरकारी सेवा, शिक्षक ओ सुरक्षाकर्मी बने लागल बटैं । यी परिवर्तनके सम्भावनाके संकेत हो । राज्य, स्थानीय तह, नागरिक समाज ओ समुदाय स्वयम्के साभ्ना प्रयाससे किल मुक्त कमैया तथा कमलरीके जीवनस्तरमे सार्थक परिवर्तन नाने सेक्जाइ, जहाँ ओइनके केवल कानुनी रूपमे नैहोके, व्यावहारिक रूपमे फेन स्वतन्त्र, सम्मानित ओ आत्मनिर्भर नागरिकके रूपमे बाँचे सेकैं ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

बाढ-पहिरोके जोखिममे हिमाली बस्ती

सुर्खेत, १४ असार । अविरल वर्षाके कारण हिमाली भेगके बासिन्दा फेन बाढ पहिरोसहितके प्राकृतिक विपद्के उच्च जोखिममे परल बा ।

हिमाली भेगमे हुइल वर्षाके कारण हिमपहिरोपाछे आइल बाढसे मानवीय क्षतिके साथे बाढसे बस्ती दुबानमे परल पाछे जोखिम बहल हो ।

डोल्पाके काइके गाउँपालिका वडा नं. ४ रिवा गाउँमे लेदोसहितके बाढ आके ५३ घरमे क्षति हुइल बा । बिफके रातसे परल वर्षासे लेदोसहितके पहिरो गैल प्रहरी जनैले बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय डोल्पाके डीएसपी रुकबहादुर खड्का रात साढे १२ बजेओर बस्तीसे उपरसे लेदोसहितके बाढ ओ पहिरो गिरके ५३ घरमे क्षति हुइल बटैल ।

डीएसपी खड्का बस्ती उपरसे नयाँ सडक कोरल ओ लगगहे खहरे खोला रहल कारण लेदोसहितके बाढसे गाउँ



प्रभावित बनल जानकारी डेलै ।

अस्टेक, गैल वैशाखमे हुम्लाके दक्षिणी भेगमे परना अदानचुली गाउँपालिकाके श्रीनगर बजारमे वर्षासहितके बाढसे भारी क्षति पुगल । वर्षाके कारण श्रीनगर बजार क्षेत्र ओ मुगुके सोरु गाउँपालिका-३ भिहीस्थित बैन्यामे भारी क्षति पुगल रहे ।

करिब १५ मिनेटसम परल

मुसलधारे वर्षासे पसलमे क्षति पुगल हो । यकर साथे बजार क्षेत्रमे रहल सरकारी कार्यालय, विद्यालय ओ घरटहरामे समेत क्षति पुगलल रहे ।

हिमाली क्षेत्र छुने हुम्ला, जाजरकोट, पश्चिम रुकुम, कालीकोट, मुगुके उच्च जोखिमके क्षेत्रमे बाढपहिरोके जोखिम बहल राष्ट्रिय विपत् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरण

जनैले बा ।

प्राधिकरणके अनुसार अधिक वर्षासे हिमाली भेगमे रहल छोटभारी हिमताल क्षेत्रमे पहिर जाइ सेवना जोखिम मनसुन अवधिभर कायम रहना प्राधिकरण जनैना बा । यी चो हिमाली भेगमे फेन सरदरसे ढेर वर्षा हुइना हुइल ओरसे विपत्के उच्च जोखिम बहल जनाइल बा ।

प्राधिकरणके अनुसार जाजरकोट ओ रुकुम क्षेत्र भूकम्पसे पहिरोके उच्च जोखिममे बा । अभिन फेन बाढके घटना हुइल बा ।

तिपद्के घटनामे वृद्धि

यी वर्ष कर्णालीमे ७३३ ठो विपद्के घटना हुइल बा । प्रदेशभर विपद्के घटनासे ३० जहनके मृत्यु हुइल बा । एक जाने बेपत्ता रहल बा । १६२ जाने घाइल हुइल तथ्यांक बा ।

अस्टेक प्रदेश प्रहरी कार्यालय सुर्खेतके तथ्यांक हेरलेसे पाछेक चार आर्थिक वर्षमे विपद्के घटनासे ४१९ जाने ज्यान गुमैले बटै । यी अवधिमे चार हजार ५७९ विपद्के घटना हुइल तथ्यांक बा । आर्थिक वर्ष २०७७/०७८ मे ४१६ विपद्के घटना हुइलमे ८५ जानेक मृत्यु हुइल रहे ।

आर्थिक वर्ष २०७८/०७९ मे एक हजार २१६ विपद्के घटना हुइल बा । उ वर्षमे ६८ जाने ज्यान गुमैले रहै । आर्थिक वर्ष २०७९/०८० मे दुई हजार २१४ विपद्के घटना हुइल रहे । ओम्ने ७२ जहनके मृत्यु हुइल बा । आर्थिक वर्ष २०८०/०८१ मे ७३३ विपद्के घटना हुइलमे १९४ जहनके मृत्यु हुइल तथ्यांक बा ।

पाछेक समय विपद्के घटना कम हुइलेसे फेन मानवीय क्षति ढेर हुइल बा । उ आर्थिक वर्षहे कर्णालीमे विपद्के वर्षके रूपमे हेरल बा । विपद्के घटनामे फेन पहिरोके क्षति ढेर बा ।

आर्थिक वर्ष २०७७/०७८ मे पहिरोमे परके ५१ जहनके मृत्यु हुइल बा । अस्टेक, आर्थिक वर्ष २०७८/०७९ मे १७ तथा आर्थिक वर्ष २०७९/०८० मे ४० जहनके मृत्यु हुइल रहे । आर्थिक वर्ष २०८०/०८१ मे ६ जहनके पहिरोमे परके ज्यान गैल बा ।

अन्तराष्ट्रिय

“गाजामे औरे साता युद्धविराम सम्भव”



काठमाडौं, १४ असार । संयुक्त राज्य अमेरिकाके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प गाजाके जटिल परिस्थितिमे सकारात्मक संकेत डेटि अइना साताभिन्ने युद्धविरामके सम्भावना रहल आशा व्यक्त करले बटै ।

इजरायलसे समर्थन प्राप्त सहायता वितरण केन्द्रमे बहल नागरिक मृत्युके घटनाहे लेके अन्तराष्ट्रिय समुदायके चास बहल बा । पत्रकारके प्रश्नके जवाफमे राष्ट्रपति ट्रम्प कहलै, “हमिहिनहे लागठ, औरे साता युद्धविराम सम्भव रहठ ।” पूर्वराष्ट्रपति जो बाइडेनके कार्यकालके अन्त्यओर अमेरिकाके पहलमे गाजामे युद्धविराम करल रहे, उ युद्धविराम मार्च महिनामे इजरायल तोरले रहे ।

ओकरपाछेक दुई महिनासे ढेर समय इजरायली पक्षसे गाजामे खाद्यान्न तथा अन्य अत्यावश्यक सामग्री आपूर्ति पूर्ण रूपमे बन्द करल रहे । अब्बेक कुछ आपूर्ति अमेरिकी तथा इजरायली सहयोगमे स्थापना करल गाजा मानवीय सहायता कोष (जीएचएफ) मार्फत पुनः सुरु करल बा । संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा अन्य मानवीय संस्था हालके सहायता वितरण प्रणालीप्रति गम्भीर चिन्ता व्यक्त करल बा ।

संयुक्त राष्ट्रसंघीय राहत प्रमुख फिलिप लाजारिनी कहलै, “नयाँ सहायता प्रणाली एक मेरिक ‘हत्या स्थल’ के रूप लेहल बा । नागरिक अपन

परिवारके लाग खाना खोज्के गोली लागके ज्यान गुमैले बटै ।” उहाँ अइसिन अवस्था अन्त्य कैके पूर्ववत् संयुक्त राष्ट्रसंघके सहायता प्रणाली पुनः सञ्चालनमे नन्ना आह्वान करलै ।

गाजाके स्वास्थ्य मन्त्रालयके अनुसार, मे महिनाके अन्त्यसे हालसम सहायता वितरण केन्द्र लगे ५०० से ढेर व्यक्तिके ज्यान गैल बा । संयुक्त राष्ट्रसंघके महासचिव एन्टोनियो गुटेरेस फेन यी विषयमे चिन्ता व्यक्त करटि कहलै, “खाना जाइबेर केको लाग मृत्युके कारण बने नैपरठ ।”

ओहोर गाजाके नागरिक सुरक्षा विभागके अनुसार, शुक्रके रोज किल इजरायली हमलामे ८० जाने मारल बटै, उमध्ये कुछ सहायता लेहे जाके, कुछ विद्यालयमे बैठल ओ कुछ सडकमे रहल अवस्थामे मारल रहै । यीबिच, हमला ओ इस्लामिक जिहादके सहाय समूह दक्षिण गाजाके खान युनिस क्षेत्रमे इजरायली सेनाउपपर आक्रमण करल दावी करले बा ।

अक्टोबर ७, २०२३ मे हमलासे इजरायलमे हुइल आक्रमणमे एक हजार २१९ जहनके ज्यान गैल रहे । ओकरपाछे सुरु हुइल इजरायली सैन्य कारबाहीमे गाजाके स्वास्थ्य मन्त्रालयके अनुसार ५६ हजार ३३१ जहनके मृत्यु होसेकल बा, ओम्ने ढेरजैसन सर्वसाधारण नागरिक बटै । संयुक्त राष्ट्रसंघ यी तथ्यांकहे विश्वसनीय मन्ले बा ।

एसइईके नतिजामे सुधार



काठमाडौं, १४ असार । माध्यमिक शिक्षा परीक्षा (एसइई) के नतिजा गैल वर्षके तुलनामे मजा सुधार हुइल बा । राष्ट्रिय परीक्षा बोर्ड, परीक्षा नियन्त्रण कार्यालयसे शुक्रके रोज सार्वजनिक करल नतिजा अनुसार २०८१ सालके परीक्षामे ६१.८१ प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुइल बटै । परीक्षामे कुल चार लाख ३८ हजार ८९६ परीक्षार्थी सहभागी हुइल रहै, उमध्ये दुई लाख ७१ हजार २९९ जाने उत्तीर्ण हुइल बटै । एक लाख ६७ हजार ५९७ जाने अनुत्तीर्ण अर्थात् नन ग्रेडेडमे परल बटै ।

यी चोके नतिजा पाछेक वर्षके तुलनामे उच्च उत्तीर्ण दर हो । गैल वर्ष एसइईमे ४७.८६ प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुइल रहै । अब्बेक नतिजा गैल वर्षके से १४ प्रतिशत ढेर हो । यी चो एसइईमे न्यूनतम ७० प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण करैना मेरिक सरकारी तयारी रहे । ग्रेडवृद्धि परीक्षामे सहभागी हुइना परीक्षार्थीके उत्तीर्ण प्रतिशतहे समेत आधार मानके गणना करना हो कलेसे सरकारी लक्ष्यसे फेन ढेर उपलब्धि हुइना डेखाइल ।

शिक्षाविद्दुके समेत नतिजामे सुधार हुइना सकारात्मक रहल प्रतिक्रिया डेले बटै । काठमाडौं विश्वविद्यालय स्कुल एफ एजुकेसनके डिनसमेत रहल शिक्षाविद् प्राडा बालचन्द्र लुइटेले अब्बेक नतिजाहे मजा मानेपरना बटैलै मने अभिन फेन परीक्षार्थीके सिकाइहे से फेन नतिजाहे किल

प्राथमिकता डेना सोचमे भर परिवर्तन हुइपरना शिक्षाविद् लुइटेले बटैलै ।

उहाँ कहलै, “नतिजा हेरलेसे गैल वर्षके से सुधार हुइल बा । यिहिनहे और ९० प्रतिशत पुगेना मेरिक विद्यालय शिक्षाके अन्तिम खुदिकला मानल कक्षा १२ के नतिजा सुधारओर अब्बेक जनशक्ति ओ सोतहे परिचालन करे परल ।” नतिजा सार्वजनिक कार्यक्रममे बोर्डके अध्यक्ष डा. महाश्वर शर्मा गैल वर्षके नतिजामे आधारसे ढेर परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण हुइलेसे फेन सरोकारवाला सबके ध्यान यी चोके नतिजा सुधार करे परल कनाओर केन्द्रित हुइल ओ ओक्रहे परिणाम अब्बे डेखाइल बटैलै ।

“गैल वर्ष धेर परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण हुइलपाछे स्थानीय तहसे केन्द्रसम हप्ते नतिजा विश्लेषण करलि । विद्यार्थी कमजोर रहल विषयके सिकाइ सुधरनाओर अध्ययन करलि,” शर्मा कहलै, “ओहे अनुसार रणनीति बनाके शिक्षक कर्मचारी परिचालन करलि ओ विद्यार्थीहे फने ओहे अनुसार पढाइमे खटैलि । ओकर परिणाम नतिजामे डेखाइल ।” परीक्षामे उत्तीर्ण परीक्षार्थीहे बोर्डसे ग्रेडेड समूहमे ढरना करटै ।

यी समूहमे परना परीक्षार्थी सैद्धान्तिकओर हरेक विषयमे न्यूनतम ३५ प्रतिशत ओ आन्तरिकओर न्यूनतम ४० प्रतिशत अंक नाने परठ । सैद्धान्तिकओरके ७५ पूर्णांकके विषयमे

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्भौता गरेर मात्रै काममा लागौ र लगाऔ ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौ/गराऔ ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔ, लैगिक हिंसाको अत्य गर्नु ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौ/नगराऔ ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौ ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौ ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔ ।



श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न हस्पिटल



निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.



उपलब्ध विशेषज्ञ सेवाहरू...



स्वास्थ्य सम्बन्धी कुनैपनि रोगको सफल

उपचार तथा परामर्शको लागि सम्पर्क गर्नुहोला

HELLO 091-527000/01/02
EMERGENCY 9865680100
SUPPORT CALL 9804600745

हसनपुर, धनगढी-५, कैलाली, नेपाल

nisargahospitalnepal@gmail.com | nisargahospitalnepal



जलवायु परिवर्तनके असर: बाहोमास डेंगुके संक्रमण देखजैटी

कञ्चनपुर, १४ असार । गर्मी ओ वर्षातके समयमे किल देखजैना डेंगु सुदूरपश्चिममे बाहोमास देखपरे लागल बा । जलवायु परिवर्तनके असरसे मच्छरीनके प्रजनन समयावधि लम्ब्याइना, तापक्रममे असमान्य वृद्धि हुइना, वर्षा चक्रके अनियमिततासे डेंगुके सङ्क्रमण बढ्ती गेल बा ।

जलवायु परिवर्तनके कारण मच्छरीनके रोग सर्ना क्षमतामे वृद्धि हुइटी गेल सुदूरपश्चिम प्रादेशिक स्वास्थ्य आपत्कालीन कार्य सञ्चालन केन्द्रके सूचना अधिकारी हेमराज जोशी बटैलै । “तापक्रम ओ वर्षाके चक्रसे डेंगुके जोखिमहे बढैले बा”, उहाँ कहलै, “पहिले गर्मी ओ वर्षाके बेला किल डेंगुके सङ्क्रमण देखपरे, अब्बे जुरार महिनामे फेन डेंगु सङ्क्रमण देखपरे लागल बा, वातावरणीय तापक्रम बढेवर मच्छर बाहोमास बच्चा वातावरण कायम हुइल बा ।”

मच्छरीनके जीवनचक्रमे मौसमसे सघाउ पुगाइवर डेंगुके सङ्क्रमण चुनौतीके रूपमे देखपरल उहाँके कहाइ रहल बा । उहाँके अनुसार सन् २०२५



के जनवरीसे जुनसमके अवधिमे सुदूरपश्चिम प्रदेशके एक सय ६७ जनहनमे डेंगु सङ्क्रमण देखपरल बा । जनवरीमे २२, फेब्रुअरीमे २७, मार्चमे १७, अप्रिलमे ४०, मे महिनामे ३४ ओ जुनके हालसम २० जनहनमे डेंगु सङ्क्रमण देखपरल बा । उहे अवधिमे सबसे ढेर डेलेधुरामे ३४ जनमे ओ ओकरपाछे कैलालीमे ३१ जनहनमे डेंगुके सङ्क्रमण देखपरल बा ।

कञ्चनपुरमे २९, डोटीमे २५, अछाममे २४, बझाङमे ११, बाजुरामे ११ ओ दाचुलामे दुई जनहनमे डेंगु

सङ्क्रमण देखपरल बा । बैतडीमे भर जनवरीसे जुन महिनाके अब्बेसम डेंगुके बिरामी देखपरल नैहुइल । एडिस एजिप्टाई जातके सङ्क्रमित मच्छरीनके कटाइसे डेंगु सरट । पानी जम्ना ठाउँ ओ प्लाष्टिकजन्य फोहर व्यवस्थापन हुइ नैसेकके डेंगु सर्ना मच्छरीनके वृद्धि विकास हुइटी गेल उल्लेख कैटी उहाँ डेंगुहे मौसमी समस्याके रूपमे किल नैबुझके बरसभर नै सतर्कता तथा सावधानी अपनाइ पना बटैलै ।

जलवायु अनुकूल सरसफाई रणनीति बनाके डेंगुसम्बन्धी चेतना ओ

मच्छरीनके लाभां नष्ट कैना अभियान सञ्चालनमे जोड डेहे पना उहाँ बटैलै । वर्षातके समय सुरु हुइल ओरसे डेंगुके सङ्क्रमण तीव्र रूपमे बढेसकना हुइल ओरसे वातावरणीय सरसफाइमे ध्यान डेहे पना उहाँके सुझाव रहल बा ।

डेंगु सरुइया मच्छर सकारे ओ दिनके समयमे ढेर कटना हुइल ओरसे उ पुरा डेहे छोप्ना कपरा लगैना, सुटेवर झुलके प्रयोग कैना, पानी जमे नैडेना, अँठवारमे एकचो घरक आँजराँजरके ट्याक्ती, डब्बा, टायरलगायतमे जमल पानी फेक्ना कार्य करे पना, विद्यालयमे डेंगुसम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन करे पना सुझाव स्वास्थ्यकर्मीके रहल बा ।

“गर्मी ओ वर्षातके समयमे डेंगु सङ्क्रमण फैलना अत्यधिक सम्भावना रहट”, शुक्लाफाँटा नगरपालिका स्वास्थ्य शाखाके प्रमुख परमानन्द भट्ट बटैलै, “यी बेला जनचेतना ओ सरसफाई अभियानहे बढैना आवश्यक बा, सतर्कता अपनाइ सेकलेसे डेंगुके रोकथाम करे सेकजाइ ।”

नीतिगत सुधार ओ प्रविधिमैत्री कानून निर्माण हुइनामे मन्त्री भण्डारीके जोड

पहुरा समाचारवाता

धनगढी, १४ असार । उद्योग वाणिज्य तथा आपूर्तिमन्त्री दामोदर भण्डारी कानुनी जटिलताके कारण देशमे भारी उद्योग स्थापना हुइ नैसेकल बटैले बटै । शनिचरके रोज धनगढीमे आयोजित औद्योगिक नीतिके मस्यौदाउपपर सरोकारवालासँगके छलफलमे उहाँ नीतिगत सुधार ओ प्रविधिमैत्री कानून निर्माणके आवश्यकता रहल बटैलै ।

उहाँ निजी क्षेत्र लगानी करना तयार रलेसे फेन कानुनी जटिलता ओइसिन करना अक्षम रहल ओ लगानीयोग्य रकम शुप्रल वास्तविकता सनैलै । कञ्चनपुरके दैजी-छेला औद्योगिक क्षेत्र कानुनी जटिलताके कारण १० वर्षसम निर्माण हुइ नैसेकल बटैटि उहाँ बटैलै, “दैजी छेला औद्योगिक क्षेत्रके निर्माण प्रक्रिया प्रारम्भ हुइल १० वर्ष



होसेकल । मने कानुनी जटिलताके कारण आधे बहाइ सेकल नैहो । नौ सय बिघा जमिन तयार बा ।

मन्त्री भण्डारीसे आगामी आर्थिक वर्षके नीति तथा कार्यक्रममे उद्योग वाणिज्य क्षेत्रहे ३१ ठो विशेष बुँदामाफत प्राथमिकतामे ढरल बटैलै । उहाँ कम्पनी ऐनमे सुधार, विशेष आर्थिक क्षेत्र, औद्योगिक पूर्वाधार विकास लगायतके विषयमे सरकार सक्रिय होके लागल बटैलै ।

“लैडिगक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार”



धनगढी उप-महानगरपालिका

०८ नं. वडा कार्यालय
धनगढी, कैलाली
सुदूरपश्चिम प्रदेश, नेपाल

दररेट पेश गर्ने सूचना

प्रकाशित मिति: २०८२/०३/१५

१. धनगढी उप-महानगरपालिका वडा नं.-०८ द्वारा विभिन्न फर्म/सप्लायर्ससंग तपसिल बमोजिमको कार्य गर्नका लागि दररेट पेश गर्न यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ ।

क्र.स.	विवरण	जम्मा रकम (मू.अ.क.) समेत	दररेट पेश गर्ने अन्तिम मिति र स्थान	कैफियत
१.	धनगढी उप-महानगरपालिका -०८ न. वडा कार्यालय ल्यापटप तथा ए.सी. खरिद	२,५०,०००.००	२०८२/०३/१७ B.S. ०५:०० PM ध.उ.म.न.पा. ०८ न. वडाको वडा कार्यालय	

२. दररेट पेश गर्ने फर्म/सप्लायर्सले अनिवार्य रुपमा दररेट पेश गर्ने व्यहोरा को लिखित निवेदन सहित नवीकरण भएको फर्म/कम्पनी दर्ता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि, मु.अ.क. दर्ता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि र आ.व. २०८०/०८१ को करचुक्ता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि संलग्न गरी पेश गर्नुपर्ने छ ।

३. उक्त कार्यका लागि आवश्यक BOQ र Specifications धनगढी उप-महानगरपालिका कार्यालयको वेबसाइट <http://www.dhangadhimun.gov.np> बाट पनि डाउनलोड गर्न सकिने छ ।

४. BOQ मा आफूले कबोल गरेको रकम अंक र अक्षरमा स्पष्ट बुझिने गरी लेखेर पेश गर्नुपर्ने छ । केरमेट भएको दररेट (BOQ) मूल्यांकनमा समावेश गरिने छैन ।

५. सप्लाई गर्ने फर्म धनगढी उप-महानगरपालिकाको कार्यालयमा दर्ता भई नवीकरण भएको हुनुपर्नेछ ।

हरि सिंह साउँद
वडा सचिव

प्लाष्टिक प्रयोगमा कटौती गरौं

प्लाष्टिक प्रयोगले:

- ❖ माटोको उर्वरा शक्ति घटाउँछ,
- ❖ पानी प्रदूषण हुन्छ,
- ❖ पशुले प्लाष्टिक खाएमा मृत्यु हुन्छ,
- ❖ मानव स्वास्थ्यमा हानी पुऱ्याउँछ,
- ❖ प्राकृतिक सौन्दर्यता नष्ट हुन्छ,

त्यसैले,

- ❖ प्लाष्टिकका झोलाको सट्टा कपडाको झोलाको प्रयोग गरौं,
- ❖ प्लाष्टिकका भाँडाको सट्टा स्टील, काँच र बाँसका सामग्री प्रयोग गरौं,
- ❖ प्लाष्टिकजन्य फोहर सही तरिकाले व्यवस्थापन गरौं,
- ❖ “प्लाष्टिकमुक्त” अभियानमा सहभागी बनौं,

“वातावरणको संरक्षण गरौं”



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाइन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।




संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन नं. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

बाढी र पहिरोबाट जोगिऔं

बाढी र पहिरोबाट हुने जोखिमबाट सतर्क बनौं:

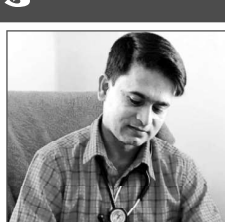
- सञ्चार माध्यमबाट मौसमको जानकारी प्राप्त गर्ने गरौं,
- बाढी वा पहिरोको उच्च जोखिम भएको क्षेत्रमा होसियारी अपनाऔं,
- आपतकालीन भोला (औषधि, टर्चलाइट, खानेकुरा र लुगाफाटा) तयार राखौं,
- बालबालिका, वृद्धवृद्धा र अपांगता भएका व्यक्तिहरूलाई विशेष ध्यान दिऔं,
- बाढी पहिरो आएमा सुरक्षित स्थानतर्फ जाऔं,
- विजुलीका लाइन वा पोलबाट टाढा बसौं,
- बाढीको समयमा खोलानाला पार गर्दा सतर्कता अपनाऔं,
- अफवाह नफैलाऔं, सत्य सूचना मात्र आदान-प्रदान गरौं,
- घाइते वा जोखिममा परेका व्यक्तिको उद्धारमा सहयोग गरौं ।



धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय
धनगढी, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!



डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराइड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखाकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, द्याउ-दयाउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुनिने, पहेलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुनिने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरुच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा भ्रम-भ्रम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाक्ने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन । २) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाडडोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठगुठी आउने, शरीरका विभिन्न भागमा गाँठगुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेसन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अपरेसन) । ४) हाड(जोर्नी) तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अपरेसन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुछो पनु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडको अपरेसन आदि सेवा ।



कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२९२४९